

संताल एक्सप्रेस के स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई

संताल एक्सप्रेस



वर्ष- 07 अंक - 08 दुमका

RNI NO. JHABIL/2018/76383

www.santalexpress.com

28 सितंबर 2024, शनिवार

पृष्ठ-8 मूल्य : 2 रुपये



अखुआ आमाद हेमन्त सरकार

PR 337433(IPRD) 24-25

नियुक्ति नियमावली में अड़चनों को दूर कर नियुक्तियों की कठियां जोड़ती हेमन्त सरकार

नव चयनित 444 प्रशिक्षण अधिकारियों को
मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन
एवं मंत्रीगण सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

दिनांक: 28 सितम्बर, 2024 | समय: अपराह्न 12:00 बजे | स्थान: जैप-1 ऑडिटोरियम, डोरण्डा, रांची

युवाओं के सपने, हेमन्त सरकार के हैं अपने

- कृषि पदाधिकारी समेत कई पदों पर राज्य गठन के बाद पहली बार नियुक्ति
- विभिन्न विभागों में हजारों युवाओं की हुई नियुक्ति
- JPSC अथवा JSSC द्वारा अनुरूपित विभिन्न पदों में 75% से 100% झारखण्ड के अभ्यर्थियों की नियुक्ति
- इस वित्तीय वर्ष में 5,403 स्नातक प्रशिक्षित विद्यकाओं एवं 539 लैब सहायकों की नियुक्ति
- JSSC द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं में चयनित 327 अभ्यर्थियों एवं Re-counselling के उपरांत चयनित 200 सहायक विद्यकाओं की नियुक्ति
- गरीब-गुरुषा परिवार के युवा बने अफसर
- JPSC में एकॉर्ड समय पर नियुक्ति
- निजी क्षेत्र में स्थानीय युवाओं को 75% आरक्षण के साथ 1 लाख से अधिक युवाओं को मिला ऑफर लेटर

सुखाइड कैप्सूल: आत्महत्या या इच्छा मृत्यु की वैधानिक सुविधा

हाल हा म स्विट्जरलंड म सुसाइड कैप्सूल के माध्यम स आत्महत्या न पूरी दुनिया में एक गहरा विवाद खड़ा कर दिया है। इस कैप्सूल का निर्माण नीदरलैंड्स की कंपनी ने किया है। यह कैप्सूल स्विट्जरलैंड के मरियानेज की बुडलेरी स्ट्रीट के पास स्थित है। एक 64 वर्षीय अमेरिकी महिला की इच्छा मृत्यु ने इस आत्महत्या और कैप्सूल को चर्चाओं में ला दिया है। क्या ऐसे उपकरणों का उपयोग मानवीय मूल्यों और नैतिकता के अनुकूल है। सुसाइड कैप्सूल एक उत्तर तकनीकी उपकरण है। जिसमें इच्छामृतु की इच्छा करने वाला व्यक्ति स्वेच्छा से कैप्सूल के भीतर बैठ जाता है। दरवाजा बंद कर एक बटन दबाते ही कुछ मिनटों के भीतर कैप्सूल में नाइट्रोजन गैस फैल जाती है। जिससे व्यक्ति को मृत्यु हो जाती है। इस तरह से मृत्यु ?बिना किसी दर्द या पीड़ा के होती है। इससे इस तरह से डिजाइन किया गया है। जो जल्दी और शांतिपूर्ण ढंग से जीवन को समाप्त कर देता है। अमेरिकी मे महिला की मृत्यु के बाद स्विट्जरलैंड की पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस का दावा है, कंपनी के कुछ अधिकारियों और सेवा से जुड़े व्यक्तियों ने महिला को शांतिपूर्ण ढंग से आत्महत्या के लिए प्रेरित किया था। इस घटना के बाद नैतिकता, कानून, और चिकित्सा क्षेत्र में इच्छा मृत्यु को लेकर गहरी बहस छिड़ गई है। स्विट्जरलैंड में इच्छामृत्यु को कानूनी मान्यता प्राप्त है। परंतु इस मामले ने एक नया ?विवाद खड़ा कर दिया है। दुनिया के अधिकांश देशों में इसे वैध नहीं माना है। विशेषज्ञों का कहना है, ऐसे उपकरणों के प्रयोग के लिए कठोर कानूनी और नैतिक दिशा निर्देश आवश्यक हैं। जीवन समाप्त करने का यह माध्यम उन मरीजों के लिए सहायक हो सकता है। जो गंभीर पीड़ा और लाइलाज बीमारियों से जूझ रहे हैं। स्विट्जरलैंड की इस घटना ने पूरे विश्व में इच्छा मृत्यु को लेकर नई बहस को जन्म दिया है। कुछ लोग इसे मानवीय और चिकित्सा दृष्टि से उचित ठहराते हैं। वहीं दूसरी ओर इसे अनैतिक और गैरकानूनी मानते हैं। सरकारों और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े ?जिम्मेदारों को इस विषय पर स्पष्टता से समग्र निर्णय लेने की आवश्यकता है। पिछले 4 दशक मे चिकित्सा के क्षेत्र में व्यवसायिकता देखने के मिल रही है। कृत्रिम उपचार के माध्यम से किसी तरह से बीमार व्यक्ति को लंबे समय तक जिंदा रखा जाता है। इस प्रक्रिया में उसे शारीरिक और मानसिक कष्ट से गुजारा जाता है। किसी भी दृष्टि से उसे जीवित रखा जाता है। चार दशक पहले चिकित्सक इस तरह के मामले में स्वाभाविक प्रक्रिया के तहत मरीज को प्राकृतिक तरीके से देखरेख और उपचार करके उसे जिंदा रखने की कोशिश करते थे। शारीरिक संरचना में जब मरीज भोजन करने में असमर्थ हो जाए, औषधि का उसके ऊपर असर खत्म हो जाए, बीमारी से निजात पाने की कोई संभावना न हो। ऐसी स्थिति में प्राकृतिक मृत्यु की किया से गुजारा जाता था। इसमें शरीर को असाध्य कष्ट नहीं होता था। पिछले 4 दशकों में जो उपकरण चिकित्सा के क्षेत्र में उपयोग में लाये जा रहे हैं। कुछ ऐसी औषधि हैं जो शरीर के किसी एक अंग को लंबे समय तक जिंदा रख पाती है। उसके सहारे मरीज को शारीरिक और मानसिक कष्ट से अस्पतालों में गुजारा जाता है। मरीज के परिवार जनों से इलाज के नाम पर काफी पैसा अस्पतालों द्वारा कमाई की जाती है। भारत जैसे देश में साधु-संतों और जैन धर्म के लोगों में समाधि और सलंखेना के माध्यम से इच्छा मृत्यु का चलन है। इस तरह की इच्छा मृत्यु से बाहरी शारीरिक कष्ट नहीं होता है।

**पीएम श्री बालक मध्य विद्यालय के 1220
छात्र -छात्राओं में मात्र दो सरकारी शिक्षक**



A photograph showing a group of approximately ten people, predominantly women, standing in a single file line. They are all facing towards the right side of the frame, appearing to be reciting a pledge or a prayer. The individuals are dressed in various traditional Indian attire, including sarees and kurta-pajamas. The setting is an indoor hall with large glass windows in the background, through which some greenery and a building across the street are visible. The lighting suggests it might be daytime.

જલ સહિતોને ચલાયા સફાઈ અભિયાન



महेशपुर (पाकुड़) स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता कार्यक्रम के तहत महेशपुर प्रखण्ड मुख्यालय में जल सहियाओं ने सफाई की। वही बीड़ीओं से सिद्धार्थ शंकर यादव भी मौजूद थे। बीड़ीओं ने कहा कि लोगों को स्वच्छता को अपने व्यवहार में लाना चाहिए तभी स्वच्छ समाज और स्वच्छ भारत का निर्माण हो सकेगा। उन्होंने कहा कि सरकार के निरेश के आलोक में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत बीते 14 सितंबर से आगामी 01 अक्टूबर तक सभी पंचायतों के चौक चौराहों में मनाया जाएगा। और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा।

सामाजिक जीवन में भय और अराजकता पैदा करने का नया षड्यंत्र

- रमेश शर्मा

रतीय समाज जीवन में भय और अंतक पैदा करने के तरीकों में ब राष्ट्रद्वारी तत्वों ने रेल गाड़ियों पर रेल पटरियों को निशाने पर लाया है। कहीं रेल पटरियाँ उड़ाड़ी कहीं पटरियों पर डेटोनेटर रखेंगे, कहीं गैस सिलेंडर और कहीं थर रखकर रेलमार्ग अवरुद्ध कर देंगे। इसके साथ अब रात अंधेरे में सवारी गाड़ियों पर रात किया गया। ये घटनाएँ भारत में घट रही हैं। वैश्विक घटनाओं के बीच भारत की कास यात्रा निरंतर है। वह विश्व पांचवीं अर्थ शक्ति बना और ब तीसरे क्रम पर आने की विश्वासा बँधी है। भारत की यह प्रति बहुआयामी है आर्थिक, राजनीतिक और तकनीकी प्रगति के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साख बढ़ी है जिसकी झलक भारतमंडी नरेन्द्र मोदी की विभिन्न देश यात्राओं में देखी जा रही है। भारत की यह प्रगति और प्रतिष्ठा विरोधी तत्वों और वृद्धकरियों को पच नहीं रही। भारतीय समाज जीवन में तनाव और भय का वातावरण बनाकर कास की गति अवरुद्ध करने के न-नये तरीके खोज रहे हैं। कभी राजनीतिक यात्राओं पर पथराव होता तो कभी अपराधी पर की जाने ली कानूनी कार्रवाई को म्प्रदायिक रंग देकर समाज को ड़काने का प्रयास होता है। ताकि रतीय समाज आंतरिक तनाव में झें और विकास यात्रा की गति रोकी हो। इसी कृत्स्नत मानसिकता अंतर्गत अब भारतीय रेलों को निशाने पर लिया जाने लगा है। इससे समाज में भय और तनाव वातावरण बने। भारतीय रेल

अंतिम सप्ताह से सितम्बर माह में घटने वाली घटनाएँ अधिक सनसनीखेज हैं। ये घटनाएँ उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात और पंजाब में घटी हैं इनमें तीन घटनाएँ तो अकेले कानपुर नगर की हैं। इनमें रेलवे लाइन पर कहीं डेटोनेटर रखा गया, कहीं गैस सिलेंडर, कहीं पथर के बोल्डर डाले गये तो कहीं लकड़ी गढ़ रखकर रेलवे को दुर्घटनाग्रस्त करने का घट्यंत्र रचा गया है। ऐसे कुल 13 घटनाएँ घटीं। कानपुर के अतिरिक्त जिन नगरों में यह घट्यंत्र हुआ उनमें अजमेर, भट्टाचार्य, रामपुर और बुरहानपुर आदि हैं। इन सभी घटनाओं को बहुत सावधानी से किया गया है। पहले तरह की घटनाओं में कुछ लोगों द्वारा सीसीटीवी कैमरे में आ गये थे इससिलये इस बार घट्यंत्र के लिये ऐसे स्थल चुने गये जो कैमरे की पहुँच से बाहर हों। ये सभी घटनाएँ बड़े स्टेशन के समीप घटीं। इन सभी घटनाओं में स्थानीय सामग्री और स्थानीय शरारती तत्वों की भागीदारी हुई। यदि कोई बाहरी सामग्री उपयोग की जाती तो घट्यंत्र के सत्र मिल सकते थे। इन घटनाओं में समानता है और जो सावधानी बरती गई है, उससे यह किसी गहरे घट्यंत्र का हिस्सा है और इन सबका योजनाकार कोई एक ही है। रेल पटरी उत्ताड़े के घट्यंत्र रेल पटरी उत्ताड़ कर रेल को दुर्घटनाग्रस्त करने के कुल 12 स्थानों पर घट्यंत्र हुये थे इनमें चालक की सावधानी से सात दुर्घटनाएँ बची लीं गई। कुछ घटनाएँ मामली नुकसान तक सीमित रहीं लेकिन तीन घटनाओं में तीन यात्रियों की मौत हुयी। पटरी पर डेटोनेटर, सिलेण्डर सरिये,

रेल के पहिये से टकराय लेकिन गाड़ी की धीमी गति इसलिए टकरा कर दूर चल और कोई बड़ी दुर्घटना हो बच गई। यहाँ पुलिस को पटेंट भरी बोतल और माचिस भी उत्तर प्रदेश के रामपुर स्टेशन समीप खंबा रखकर नैनी शताब्दी एक्सप्रेस को नियन्त्रण का प्रयास हुआ। यह का खंबा छह मीटर लंबा था दो सांदिध लोगों को बंदी लगाया।
पंजाब के भटिन्डा रेलवे लाइलोहे के नौ सरिये रखे मिले रात तीन बजे की घटना है। यह मालगाड़ी निकलने वाली लेकिन मालगाड़ी को सिग्नल मिला इसलिये रुक गई दुर्घटना टल गई। मुजफ्फरपुर-पुणे स्पेशल एक्सप्रेस के छह पहिये पटरी से उत्तर प्रदेश रेलवे सुरक्षा टीम जांच कर रात माना जा रहा है कि पटरी पर रखा होगा जिससे ये पटरी से रात के अंधेरे में पथराव घटनाएँ पहले पटरी उखाड़ने, पटरी पर खतरनाक सामग्री रखा दुर्घटना करने का घट्यंत्र अब रात के अंधेरे में यात्री गाड़ी पर पथराव होने लगे हैं। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाबोधी एक्सप्रेस पर पथराव हुआ। यह नई दिल्ली बिहार के गया जा रही थी। परन्तु कई यात्री घायल हुये। इसी छत्तीसगढ़ के महासमुद्र जिले 'ट्रायल रन' के दोरान विशाखापत्नम वर्दे एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव असामाजिक तत्त्वों ने बोगियों को नियन्त्रण बनाया तीन बोगियों के शीशे टूटे कुछ पथर अंदर भी गिरे और

यात्रियों को चोट लगी। यह घटना 13 सितम्बर को रात नौ बजे की है। रेलवे सुरक्षा बल ने 5 लोगों को गिरफ्तर किया गया है। उत्तर में आगरा रेलमंडल के अंतर्गत मनिया स्टेशन के समीप एक बार फिर वहे भारत एक्सप्रेस पर पथराव हुआ है। यह ट्रेन भोपाल से दिल्ली जा रही थी। यह पथराव रात ख्याल बजे हुआ इससे ट्रेन की कई बोगियों के शीशे टृट गए। इस पथराव से किसी के घायल होने की खबर नहीं है। रेलवे सुरक्षा प्रबंध पर विचार वर्तमान रेलवे सुरक्षा अधिनियम 1989 की धारा 151 के अंतर्गत घड़यंत्र प्रमाणित होने पर अधिकतम दस वर्ष की सजा और जुमानि का प्रावधान है। ताजा घटनाओं के बाद भारत सरकार इस कानून को कड़ा बनाने पर विचार कर रही है। रेलमंत्री ने सकेत दिया है कि इस अधिनियम में उप धारा जोड़कर इसे देशद्रोह की श्रेणी में लाने पर विचार हो रहा है। घड़यंत्र के चलते होने वाली रेल दुर्घटनाओं में किसी की मृत्यु होने पर देशद्रोह की धारा के साथ सामूहिक हत्या का घड़यंत्र करने की धारायें जोड़ने और आजीवन कारावास अथवा मृत्युदंड का प्रावधान करने पर विचार किया जा रहा है। नये प्रावधानों में धरना-प्रदर्शन करके रेलमार्ग अवरुद्ध करने पर भी दंड का प्रावधान किये जाने की संभावना है। सरकार के नियम जब भी बने लेकिन जिस प्रकार पूरे देश में रेलयात्रा को बढ़ाव दिया जाए तो उसके बाद यह घटनाएँ घटना के साथ समाज का जागरूक होना भी जरूरी है।

ਪਾਕੁੜ ਕੀ ਖਬਰੋਂ

प्रशासनिक पहल के बाद डॉक्टरों की हड़ताल की घोषणा वापस



संभवित हड्डाल को बापस ले लिया है। *हम ईश्वर नहीं हैं, मरीज के लिए जी जान लगा देते हैं* हम हम चिकित्सक अस्पताल के सारे कर्मचारी अपनी मरीजों की पूरी ईमानदारी और सतर्कता पूर्ण इलाज करते हैं। फिर भी कभी-कभी अनहोनी हो ही जाती है जिसमें चिकित्सकों का कोई हाथ नहीं होता। साथ मारपीट करते हैं, तोड़फोड़ करते हैं, गाली गलौज करते हैं, यहाँ तक की प्राथमिक की दर्ज भी कर देते हैं।

डीसी ने की डीएलसीसी एवं डीसीसी की बैठक, बैंकों को दिया दिशा निर्देश



पाकुड़। शुकवार को उपायुक्त मत्युंजय कुमार बरणवाल की अध्यक्षता जिला स्तरीय परामर्श दात्री एवं जिला स्तरीय साख समिति की बैठक माहरणालय स्थित सभागार में आयोजित की गई जिसमें उपायुक्त ने किसान फ्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा ऋण योजना, सुरक्षा योजना जीवन ज्योति व अन्य योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान तले के सभी बैंक प्रबंधकों को संबोधित करते हुए डीसी ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में बैंकों भूमिका काफी महत्वपूर्ण। वार्षिक साख योजना की समीक्षा के दौरान तथा योजना की महत्वपूर्ण वित्तीय वर्ष 2024-25 का लक्ष्य 1066 करोड़ है। प्रथम अगस्ती में 344 करोड़ प्राप्त किया गया है जो की प्रतिशत 32.26 त्र है एवं दोडी रेशियों 51.21 त्र है। इसके अलावा डीसी ने क्रेडिट कार्ड की समीक्षा भी की। समीक्षा क्रम में विभिन्न बैंकों में लीबित केसीसी आवेदन को लेकर असरी दिशा निर्देश दिया गया। उन्होंने कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया कि वित्त अवेदन बैंकों के साखाओं में भेजें। किसान क्रेडिट कार्ड के स्वीकृति तेजी लाने हेतु बैंक को विशेष तौर पर ध्यान देने की बात ही पीएम्ऐजीपी योजना के समीक्षा क्रम में प्रखण्ड उद्यमी समन्वयक के द्वारा तथा योजना की पीएम्ऐजीपी योजना वर्ष 2024-25 पाकुड़ जिले का लक्ष्य 0 है। जिसके विरुद्ध 88 आवेदन पत्र बैंकों को भेजे गए हैं बैंक के द्वारा 9 लाभुकों ऋण की स्वीकृति दी गई है। 29 आवेदन को रिजेक्ट कर दिया गया है। मौके पर अनुमड़ल पदाधिकारी श्री साईमन मरांडी, आरबीआई बैंक रोशन कुमार, डीडीएम नारांडे प्रेम कुमार, एलडीएम श्री धनेश्वर सरा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्री राहुल कुमार, जिला पश्चालन दाधिकारी डॉ के.के.भारती एवं जिला मत्स्य पदाधिकारी समेत विभिन्न बैंकों साथा प्रबंधक उपस्थित थे।

आमजनों की समस्या से रुबरु हुए
उपायुक्त, पदाधिकारियों को दिये निर्देश



पाकुड़। आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित उत्पादन को लेकर उपायुक्त श्री मृत्युंजय कुमार बरणवाल के द्वारा माहरणालय सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान उत्पादन के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान उपायुक्त द्वारा वहां परस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञन में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा। इसके अलावे जनता दरबार के दौरान शिक्षा विभाग, जमीन, समाज कल्याण, अनुकूल्या से संबंधित मामले एवं विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग की अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उद्घोन सभी विभिन्न अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित विचारावाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्ट उपायुक्त कार्यालय परिवहन पर्यावरण समिति करें, ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो।

हिरण्यपुर में बनेगा इंडोर स्टेडियम ,भूमि उपलब्ध कराने का निर्देश

हिरण्यपुर (पाकुड़ी) हिरण्यपुर में इंदरा स्टेडियम निमाण का युवाओं का विधि पुराना मामा अब पूरे हातों का है। इसके निमाण का लेकर विभागीय रूप भूमि उपलब्ध कराने का निर्देश अंचली अधिकारी लिंग्वीपाड़ा को अपर समाहार्ता ने दिया है। 18 अगस्त को महेशपुर प्रखंड अंतर्गत गाय बथान में मुख्यमंत्री या समान योजना के तहत कार्यक्रम आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को हिरण्यपुर के युवा चंदन भगत विकास दास दीपक भगत वापीन दत्त मुकेश कुमार आदि ने आवेदन देकर बाजार स्थित फुटबॉल मैदान इंदरा स्टेडियम के निर्माण का लेकर मांग पत्र सोपा था तब मुख्यमंत्री ने गरींत कायंवाही का आश्वासन दिया था। सीएम के आदेश पर इंदरा स्टेडियम निर्माण की पहल प्रारंभ हो गई है। इसको लेकर अपर समाहार्ता पाकुड़ी ने सीओ लिंग्वीपाड़ा को निर्देश पर दिया है कि मुख्यमंत्री झारखण्ड सरकार के जन्म शिकायत कोषांग में उपलब्ध कराए गए विषयाधीन अध्यावेदन में हिरण्यपुर बाजार जबरदाहा स्थित फुटबॉल मैदान में इंदरा स्टेडियम निर्माण का आवेदन प्राप्त हुआ है। इस स्टेडियम की निर्माण के लिए भूमि की उपलब्धता आवश्यक। इस स्टेडियम निर्माण के लिए 0.5 एकड़ भूमि का विवरणी उपलब्ध कराया जाय। इंधर इंदरा स्टेडियम की निर्माण होने की खबर मिलने के साथ रणपुर के युवाओं में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। इस संबंध में सीओ श्रीमान मरांडी ने बताया कि इंदरा स्टेडियम निर्माण को लेकर फुटबॉल मैदान में मीन की कमी हो गई। हिरण्यपुर बाजार के निकट दामिन डाक बंगला परिसर स्थित भूमि की मापी कार्य करने का निर्देश दिया गया है। जल्द ही मापी कार्य का लिया जाएगा।

